

Karnataka Sangha's
Manjunatha College of Commerce,
khambalpada, Thakurli (E)

Date: 5.8.2023

Notice

All the students are informed The IQAC, Commerce Department has organised essay writing on the occasion of "World Friendship Day". Come and express your feelings about your own friend.

The schedule is as follows: -

Day, Date: - Monday, 7/8/2023

Venue: - F5 class room

Time: - 11am.

All are asked to participate in large number.



Dr. Sushila Vijaykumar
Principal.



Report of Friendship Day Celebration

Date - 11/08/2023

To
Principal,
Karnataka Sangh's Manjunatha college of Commerce,
Thakurli (E)

Subject: - Brief report of friendship Day celebration.

Madam,

This activity was organised by IQAC and Commerce Department on the occasion of World Friendship Day. 61 students participated in this event.

To celebrate World Friendship Day on 7/8/2023 the participants were asked to express their feelings or their thoughts about their own friends. It has notices that true and long lasting friendship is reducing after Covid. Hence to enhance the true relationship the Participants are asked to write down their feeling about their own friends. They not only felt that their peers are only friends they have but their parents are their Frist friend whom they can share all their feelings and emotions. Some participants express about their own friends' strengths which they liked and hence the friendship has become more strong.

This is for your information

Thank you

Yours faithfully

Asso. Prof. Jayanthi Vaikunth

IQAC coordinator & Head Comm. Dept.

Asst. Prof. Nisha Deodhar

Convenor



Dr. Sushila Vijaykumar
Principal
Manjunatha College of Commerce
Kanchangaon, Khambalpada,
Thakurli (E) - 421 201.

Few Essays on the occasion of Friendship Day on 07/08/2023

माझी पिय मैत्रीण तीना नाव आहे मोनिका ही माझी जीवलाग मैत्रीण आहे कारण तीमाझा वातपणा पाहून मैत्रीण आहे तीमाझा मुळ-दुखणी माझी दार आहे. मेघीची लोडी म्हणजे जस सुई वागा असी प्रामची ने आहे

माझी मैत्रीण म्हणजे मोनिका ही फक्त कुकत सोबत सतत असते जेव्हा आम्ही कोरावना नातो तेव्हा अ कामना नातो तेव्हा चवच आहे मार वाताता सुद्धा ती सोबत आमापची ती खुप बोलाची आम्ही दोघी मोकुल दुसऱ्यान्नी मना घ्यावची.

तीना वेगवेगळ्या प्रकारे करावणा आवडत आणि वेवच नाही तीना शेजार करावणा खुप आवडत आम्ही दोघी दोघी मिडाली ना आम्हीना कोणाच गर असते आमचे मया चानु असते.

आम्हाची आम्ही दोघातची एक वेगळी प्रतीया आहे ती सतत मनात प्रेरित करते सांगण्या कामासाठी आम्ही ती मुलातीचा प्रेरित करते. स तीनामन प्रेरित चानु म खुप आवडत

मोनिका ही असी व्यक्ती आहे ती मना खुप प्रे आहे ती माझी वरी मैत्रीण आहे मी देवाचा दान्यार होते की देवाते मना असी मैत्रीण दिनी.

and today would like to tell about my friend

my friend name is priyanka whom i always she is very intelligent girl and she is always help to me in any situation and or any problem and she is always give me a suggestion if any problem will come than how to face. and our friendship will be forever and she is only my true friends and our friendship will always trustable and our bonding will never end. and our friendship relation is will be complete 2 years and we both are never lit light and never break any one heart. and we both are always happy with each other.

I always happy with you this bit 2 was a great that i have friend with you. And I always thank to god to give me best friend in my life.

KNOW YOUR FRIEND

मेरा नाम सुष्मिता है। आज मैं Friendship Day के बारे में कुछ शब्द कहना चाहता हूँ।

मैंने तेरे बारे में बहुत सारे मित्र हैं लेकिन उन में अपने सबसे खाल / पिय मित्र के बारे में बात करना चाहता हूँ। मेरे सबसे खाल / पिय मित्र का नाम अमित सिंह है। वह एक तेरा मित्र है नहीं, एक मेरे परिवार के एक सदस्य की तरह है अमित मेरे हर चीज के साथ रहता है जो जोड़े खुद हो कर दुख । जो विना किसी स्वार्थ के मेरा साथ देता है।

आज मल पर अपनी पछरे छोड़ कर वह जोनी मने लगे है रोख रात के देरी तो कर जाता है फिर भी वह रोख रात के मेरेव या फिर करके, दाल - चाल तो लेता है। देखा मुझे मैं परिवार में सब मदद है, कोई समस्या तो नहीं है न बहाने तो लोग होते हैं जो अपने मित्र को ओर बर्तन नहीं होते हैं लेकिन अमित इतने विफ्री है तो हमेशा मुझे अमित बंधे के लिए प्रेरित करता है और देखा मेरा सच्चा दोस्त है। मैं बहुत मित्रता पे रोख शायरी लिखी है सुनाना चाहता हूँ।

मैंने कहां है मित्रता परवाह करनी है। नेमाने वाला मिल जाए तो इसे दुनिया पाप करती है।

Thank You

हस्ता है हम दोनों बीकानेर में पड़ते हैं। मेरा दोस्त है रवी बहुत ही मीठ और मजेदार है वह हमेशा हमी मजाक करता रहता है, और कभी कभी तो लैकचर के भी प्रस्ती करने लगता जो की पूढ के दजे सजा भी मिल जाती है, मडम के द्वारा।

रवि मेरी हमेशा देख बंधा है, किसी भी प्रकार की मदद हो वह हमेशा ही मेरे साथ छड़ा रहता है। मेरी और अकी बेसी बंधारा दिन की तो नद है। फिर भी वह और मेरे दूरे होते हैं कि जैसे बचपन के दोस्त हो। मैं तो अकसे सपने से भी ज्यादा मना है।

मेरी और अकी एक ही पूढ है, जो की हम हमेशा से साथ है तो कश्चि - कश्चि कीसी मुग्धा हो जाता ओवर हम दोनों में से किसी को कोई कुंठ भी जेल दे है। इस व म अज बंधा नहीं कहना चाहता है, मेरा रवि मेरे लिए भी है। खुन को तो ही पर मनु का है, जो खुन से भी जेड़ा रि होता है।

आज महावद्वालय पर धर्म शाह लाला में महानपणा पावून ओळखती ता एकदम चंचल मनीचा उनीह. व ती जास्त अडुवास्त तव कश्त नाही तुरी पण पाय हाडून जातो. ती एकदम विचारावर कवचाली ठीम राहत नाही. त्याच मन वळी वळी श्रुतु साश्चर्य बदलत जात. पण तो मनाच खुप चांगळ आहे मझी खुप मदत करती. माझ्या दुखता-सुखता तीच आदी असता. पण माझा वई लोवण्यात पण तीच पुढे असता. ती श्रुतु खुप फशवायचो मडम समोर ती मशती करायच आणी मडम नाव पण त्यात शायच मग काय! त्याच्या संगतीला फटकें वाचचें. आता मला असा वाचव लाला आहे की त्याच्या शिवाय मी राहू शकत नाही आम्ही कुठे पण गेलो तर संगतीलाच जाणार. अमितच्या वश्याचें लोक अडवला राम-शाम म्हणून एक मशतीत साधातत की मित्र जवळ असला की चालू वु: 20 जवळ येत नाही ती एकदम जोकर आहे. हसवणारा. मला तर मस्त अश



Sushila
Dr. Sushila Vijaykumar
Principal
Manjunatha College of Commerce
Kanchangaon, Khambalpada,
Thakurli (E) - 421 201.